

श्रसाधारण

#### EXTRAORDINARY

भाग **II---**खण्ड 3---उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

### PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 5]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 2, 1976/पौष 12, 1897

No. 5]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 2, 1976/PAUSA 12, 1897

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वो जाती हैं जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

# MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES (Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 2nd January 1976

S.O. 11(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Heavy Industry) No. S.O. 27(E) dated the 13th January, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that the operation of all the contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments entered into, given or made, as the case may be, before the 7th May, 1973, to which the industrial undertaking known as M/s. Arthur Butler and Company (Mozufferpore) Limited, Muzaffarpur (Bihar) or the company owning such undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company and in force immediately before the date of issue of the said Order shall remain suspended upto the 12th January, 1976, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accuming or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 12th January, 1976;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended further upto the 12th January, 1977;

Now, therefore, in exercise of the powers conforred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto the 12th January, 1977.

[No. F. 25/14/72-CUC] D. K. SAXENA. Jt. Secy.

## उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (उद्योगिक विकास विभाग)

### ऋावेश

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1976

का॰ आ॰ 11 (आ). -- केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकाने और विनयमन) प्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) के आदेश सं० का॰ आ॰ 27 (अ), तारीख 13 जनवरी, 1975 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा घोषणा की थी कि 7 मई, 1973 के पूर्व, यथास्थिति, दो गई या की गई, और उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख के टीक पूर्व प्रवृत्त सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पक्षों, करारों व्यवस्था-पनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का, जिसकी मेससं आधर बटलर एंड कपनी (मोजुफ्फरपुर) लिमिटेड मुजक्करपुर (बिहार) नामक औद्योगिक उपक्रम या ऐसे उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी पक्षकार है अथवा जो ऐसे आंद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू किए जा सकते हैं, प्रवंतन 12 जनवरी, 1976 तक निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं तथा दायित्व 12 जनवरी, 1976 तक निलम्बित रहेगे;

श्रौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त श्रादेश की श्रवधि 12 जनवरी, 1977 सक श्रौर बढ़ा दी जानी चाहिए ;

श्रतः, स्रव, केन्द्रीय सर्कार, उद्योग (विकास स्रौर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त स्रादेश की स्रवधि 12 जनवरी, 1977 तक बढ़ाती है।

[सं०फा० 25/14/72-सीयूसी] डी० के० सबसेना, संयुक्त सचिव ।